

प्रेषक,

एस0एस0 वल्लिया,

उप सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

संस्कृति निदेशालय

उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 20 सितम्बर, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु अनुसूचित जनजाति योजना (TSP) के अन्तर्गत पारम्परिक वाद्ययंत्रों एवं वेश-भूषा क्रय हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अनुसूचित जनजाति उपयोजना के तहत पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश-भूषा का क्रय कर निःशुल्क उपलब्ध कराये जाने हेतु रु0 10.00 लाख (रु0 दस लाख) मात्र आपके निर्वतन पर रखते हुए व्यय किये जाने की निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-150/VI-I/2007-4(4)/2007 दिनांक 05-03-2008 के द्वारा निर्धारित मानक पूर्ण होने पर ही यथाआवश्यकता आहरित की जायेगी। उक्त हेतु एक समिति गठित कर उस की संस्तुति के आधार पर ही धनराशि आहरित /व्यय की जाय।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने से पूर्व शासन/सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- वित्तीय हस्त पुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय 16-क-अनुच्छेद 369 के सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि तभी प्रदान की जाये जब सम्बन्धित द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुपालन का शपथ पत्र प्रदान किया जाये।

5- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।

6- उक्त धनराशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर मदवार व्यय शासन को उपरोक्त साक्ष्य के साथ अवश्य उपलब्ध कराया जायेगा।



7- उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि इसी कार्यक्रम के लिये उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।

8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु अनुदान संख्या-31 लेखाशीर्षक-2205 कला एवं संस्कृति-00-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना-03-पारम्परिक वाद्य यंत्रों एवं वेश-भूषा का क्रय-00-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।

9- उपरोक्त निर्देश वित्त विभाग के अ० शा० पत्र संख्या-434 (पी)/XXXVII (3)/2010 दिनांक 06 सितम्बर, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

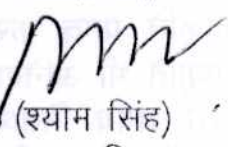
(एस०एस० वल्दिया)

उप सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(श्याम सिंह)

अनुसचिव